रिर्पोट

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, एवं कपोजिट रीजनल सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट रिहैबिलिटेशन एंड एंपावरमेंट ऑफ पर्सन विद डिसेबिलिटी नेल्लोर के संयुक्त तत्वाधान में विश्व विकलांगता दिवस के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया आयोजन के मुख्य वक्ता श्री प्रवीण कुमार, पुनर्वास अधिकारी, सीआरसी तथा कार्यक्रम की संरक्षक माननीय कुलपति प्रोफेसर, सीमा सिंह, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, एवं श्री बी0वी0 रामकुमार, निदेशक, एन0आई0ई0पी0ई0डी0, सिकंदराबाद, तथा कार्यक्रम के संयोजक, श्री राजमणि पाल एवं प्रोफेसर, पी0के0 स्टलीन, कार्यक्रम के समन्वयक, श्री परविंद कुमार वर्मा, सहायक आचार्य, उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री के मारुती कृष्णा गौर, सहायक आचार्य, सीआरसी नेल्लौर आंध्र प्रदेश एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक, श्री राजमणि पाल ने सभी मुख्य अतिथि, संरक्षक, आयोजन समिति, सलाहकार समिति, सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम में जुडे सभी पुनर्वास क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी एवं पुनर्वास क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों का हृदय तल से स्वागत किया और स्वागत करते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का स्वागत किया और विशेष स्वागत के क्रम में यशस्वी कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं NIEPID के निदेशक, बी0 वी0 रामकुमार, का विशेष स्वागत किया जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के बारे में कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर पी0के0 स्टालिन निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा ने संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर सरकार की योजनाएं और लाभ दिव्यांगजनों के लिए क्या है इस पर आयोजित संगोष्ठी हेतु सभी का स्वागत किया और स्वागत करते हुए दिव्यांगता दिवस की रूपरेखा, उसकी ऐतिहासिक

पृष्ठभूमि एवं उसके क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला जो निश्चित रूप से दिव्यांग जनों हेतु जागरूकता का काम करेगी ,दिव्यांग जनों की स्थिति आज समाज में है उसमें परिवर्तन का एक क्रम है कि हम विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर सभी लोगों को जागरूक करते हुए की दिव्यांगता समाज के प्रति विषमता नहीं बल्कि दिव्यांगजन भी समाज के हिस्सा हैं हमें उनको भी समाज में उतना ही स्थान देना है जितना अन्य जनों को, केवल उनकी दिव्यांगता के कारण उन्हें समाज से अलग नहीं किया जा सकता, उन्हें अवसर प्रदान किया जाए तो निश्चित रूप से उनकी क्षमता में विकास होगा और उनकी क्षमता ही उनके सामर्थ का परिचय देंगी, इसी क्रम में हमें निश्चित रूप से प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन करना चाहिए और आयोजन के माध्यम से ही समाज के लोगों को जागरूक करना चाहिए।

कार्यक्रम मुख्य वक्ता श्री प्रवीण कुमार ने अपने उद्बोधन में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम से लेकर सरकार द्वारा विभिन्न रूपों में बनाई गई योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया तथा दिव्यांग जनों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सभी मामलों में उन्हें सफलता प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा जो योजनाएं चलाई जा रही हैं उसके बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा किया तथा अन्य लोगों के जिज्ञासाओं को भी पूरा किया इस क्रम में आपने दिशा, विकास, सामर्थ, घरौंदा, निरामय, सहयोगी, ज्ञान प्रभा, प्रेरणा, संभव, बढाते कदम, कौशल विकास प्रशिक्षण, शिपडा, एनजीओ, किरण यूपीआईडी, तमाम ऐसी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया जो दिव्यांगजन हेतु लाभकारी हैं प्रत्येक दिव्यांगजन इन योजनाओं के बारे में जानकारी रखें और योजनाओं का व्यवस्थित रूप से उपयोग करें तो सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा और दिव्यांग जनों को समाज में भी एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त होगा इस क्रम में उन्होंने विशेष बिंदुओं पर गहराई से अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं निश्चित रूप से दिव्यांग जनों के लिए मजबूती प्रदान करेगा हम सभी को समाज में और समाज के लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि दिव्यांगता केवल शारीरिक है यदि उसे व्यवस्थित

सहयोग दे दिया जाए तो समाज से दिव्यांगता तो दूर नहीं होगी, लेकिन दिव्यांगता के प्रति जो धारणा है वह दूर हो जाएगी उन्होंने अपनी स्मृति से एक कविता का जिक्र किया की –

"मैं नहीं चाहता आप मेरे लिए एक दरवाजा खोलो,
बस दरवाजा इतना चौडा बना दीजिए कि मैं लाघ सकूं
मैं जैसा हूं मुझे वैसा ही स्वीकार किया जाए,

इस तरीके की धारणा दिव्यांग जनों को सफलता प्रदान करेगी निश्चित रूप से शिक्षा जगत में आगे बढेगे और दिव्यांगजनों को रास्ता दिखाएंगे। कार्यक्रम का संचालन श्री के0 मारुति कृष्णा गौर ने किया तथा कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन श्री परविंद कुमार वर्मा सहायक आचार्य, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा किया गया।

शिक्षा विद्याशाखा – उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दिनांक : 02-12-2022

सूचना

सादर पूर्वक अवगत कराना है कि **शिक्षा विद्याशाखा एवं CRC, नेलौर, आन्ध्र प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में विश्व विकलांगता दिवस दिनांक 03-12-2022** के उपलक्ष्य में विषय **"Schemes and Benefits for Person with Disabilities"** एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन **(समय पूर्वाह्न 10:45 से 12:35 अपराह्न)** होना सुनिश्चित हुआ है। जिसके **मुख्य वक्ता श्री प्रवीन कुमार, पुनर्वास अधिकारी, CRC, नेलौर, आन्ध्र प्रदेश** होंगे। **कार्यक्रम की अध्यक्षता मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी** करेंगी।

कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु Google meet का लिंक : **meet.google.com/tzh-pdci-vjt** है।

कृपया उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

भवदीय

(प्रो० पी० के० स्टालिन)
निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 03 दिसम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर वेबिनार का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा एवं सी.आर.सी., नेलौर, आन्ध्र प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में विश्व विकलांग दिवस दिनांक 03 दिसंबर 2022 के उपलक्ष्य में विषय **"Schemes and Benefits for Person with Disabilities"** एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। एक दिवसीय वेबिनार के मुख्य वक्ता श्री प्रवीन कुमार, पुनर्वास अधिकारी, सी.आर.सी., नेलौर, आन्ध्र प्रदेश रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री के. मारुती कृष्णा गौर

कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए श्री राजमणि पाल

कार्यक्रम के संयोजक श्री राजमणि पाल ने सभी मुख्य अतिथि ,संरक्षक, आयोजन समिति ,सलाहकार समिति ,सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम में जुड़े सभी पुनर्वास क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी एवं पुनर्वास क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों का ह्रदय तल से स्वागत किया और स्वागत करते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का स्वागत किया और विशेष स्वागत के क्रम में यशस्वी कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं NIEPID के निदेशक B V रामकुमार का विशेष स्वागत किया जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री के. मारुति कृष्णा गौर ने किया तथा कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन श्री परविंद कुमार वर्मा सहायक आचार्य, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा किया गया।

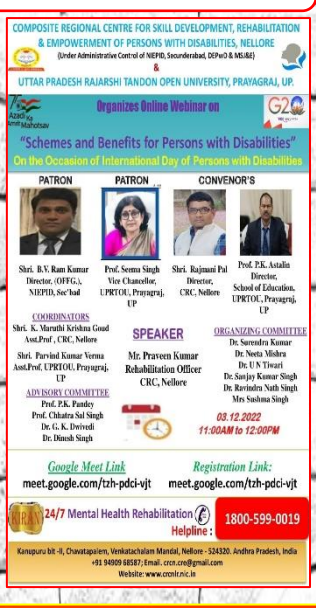

श्री बी.वी रामकुमार, निदेशक एन.आई.ई.पी.आई.डी., सिकंदराबाद, कार्यक्रम के संयोजक श्री राजमणि पाल एवं प्रोफेसर पी.के स्टलीन, कार्यक्रम के समन्वयक श्री परविंद कुमार वर्मा, सहायक आचार्य ,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं श्री के मारुती कृष्णा गौर, सहायक आचार्य सीआरसी नेल्लौर आंध्र प्रदेश, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं लगभग 100 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के बारे में बताते हुए प्रो. पी. के. स्टालिन

कार्यक्रम के बारे में कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर पी.के स्टालिन निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा ने संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर सरकार की योजनाएं और लाभ दिव्यांगजनों के लिए क्या है इस पर आयोजित संगोष्ठी हेतु सभी का स्वागत किया और स्वागत करते हुए दिव्यांगता दिवस की रूपरेखा, उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं उसके क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला जो निश्चित रूप से दिव्यांग जनों हेतु जागरूकता का काम करेगी ,दिव्यांग जनों की स्थिति आज समाज में है उसमें परिवर्तन का एक क्रम है कि हम विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर सभी लोगों को जागरूक करते हुए की दिव्यांगता समाज के प्रति विषमता नहीं बल्कि दिव्यांगजन भी समाज के हिस्सा हैं हमें उनको भी समाज में उतना ही स्थान देना है जितना अन्य जनों को, केवल उनकी दिव्यांगता के कारण उन्हें समाज से अलग नहीं किया जा सकता ,उन्हें अवसर प्रदान किया जाए तो निश्चित रूप से उनकी क्षमता में विकास होगा और उनकी क्षमता ही उनके सामर्थ का परिचय देंगी, इसी क्रम में हमें निश्चित रूप से प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन करना चाहिए और आयोजन के माध्यम से ही समाज के लोगों को जागरूक करना चाहिए।

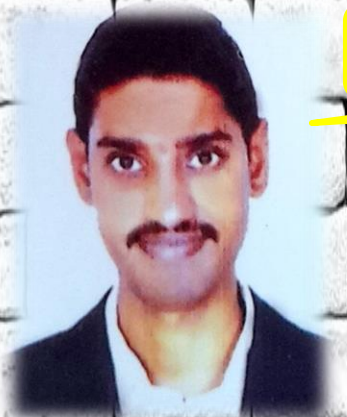

दिव्यांगजन हेतु लाभकारी हैं योजनाएं : प्रवीण कुमार

कार्यक्रम मुख्य वक्ता श्री प्रवीण कुमार ने अपने उद्बोधन में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम से लेकर सरकार द्वारा विभिन्न रूपों में बनाई गई योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया तथा दिव्यांगजनों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक ,राजनीतिक, सभी मामलों में उन्हें सफलता प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा जो योजनाएं चलाई जा रही हैं उसके बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा किया तथा अन्य लोगों के जिज्ञासाओं को भी पूरा किया इस क्रम में आपने दिशा, विकास, सामर्थ, घरौंदा, निरामय, सहयोगी, ज्ञान प्रभा, प्रेरणा, संभव, बढ़ते कदम, कौशल विकास प्रशिक्षण, शिपडा, एनजीओ, किरण यूपीआईडी, तमाम ऐसी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया जो दिव्यांगजन हेतु लाभकारी हैं प्रत्येक दिव्यांगजन इन योजनाओं के बारे में जानकारी रखें और योजनाओं का व्यवस्थित रूप से उपयोग करें तो सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा और दिव्यांगजनों को समाज में भी एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त होगा इस क्रम में उन्होंने विशेष बिंदुओं पर गहराई से अपने विचार व्यक्त किए

मैं जैसा हूं मुझे वैसा ही स्वीकार किया जाए : प्रोफेसर सीमा सिंह

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं निश्चित रूप से दिव्यांग जनों के लिए मजबूती प्रदान करेगा हम सभी को समाज में और समाज के लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि दिव्यांगता केवल शारीरिक है यदि उसे व्यवस्थित सहयोग दे दिया जाए तो समाज से दिव्यांगता तो दूर नहीं होगी,लेकिन दिव्यांगता के प्रति जो धारणा है वह दूर हो जाएगी उन्होंने अपनी स्मृति से एक कविता का जिक्र किया 'मैं नहीं चाहता आप मेरे लिए एक दरवाजा खोलो, बस दरवाजा इतना चौड़ा बना दीजिए कि मैं लाघ सकूं, मैं जैसा हूं मुझे वैसा ही स्वीकार किया जाए। इस तरीके की धारणा दिव्यांग जनों को सफलता प्रदान करेगी निश्चित रूप से शिक्षा जगत में आगे बढ़ेंगे और दिव्यांग जनों को रास्ता दिखाएंगे

कार्यक्रम में सभी का आभार व्यक्त करते हुए श्री परविन्द कुमार वर्मा